

कार्यपालक हेतु विमानन प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन कार्यक्रम



एचएएल प्रबंध अकादमी

दोड्डनक्कुंदी मेन रोड, मारुतहल्ली, बेंगलूरु-37

हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड

एचएएल आज विश्व में एशिया की सबसे बड़ी विविधीकृत एक ऐसी अग्रणी एरोस्पेस कंपनियों में से एक है, जो विमान, हेलिकॉप्टरों, एरो इंजनों, उपसाधनों, एवियोनिक्स एवं सिस्टम के अभिकल्पन, उत्पादन, मरम्मत, ओवरहाल तथा उन्नयन में प्रारंभिक चरण से लेकर अंतिम चरण तक की क्षमताओं से युक्त है। एचएएल के अंतर्गत 20 उत्पादन प्रभाग और 10 अनुसंधान एवं विकास केंद्र हैं, जो भौगोलिक रूप से भारत के सात राज्यों में फैले हुए हैं। वैश्विक स्तर पर एचएएल 37 वें स्थान पर है और वर्तमान में रक्षा सेनाओं एवं निर्यात-ग्राहकों के लगभग 1500 विमानों को सहायता प्रदान करता है।

एचएएल एरोस्पेस उद्योग के पथ प्रदर्शक के रूप में देश में एचएएल अपने प्रीमियम ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र, एचएएल प्रबंध अकादमी (एचएमए) और देश भर में फैले हुए 8 तकनीकी प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से कंपनी और एरोस्पेस उद्योग की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए सुविज्ञ एवं कुशल मानव संसाधन प्रदान करके क्षमताओं को विकसित करने और विमानन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने का कार्य कर रहा है।

भारत में एरोस्पेस उद्योग को आगे बढ़ाने के प्रति अपने ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र और तकनीकी प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से अत्यधिक कुशल और सुविज्ञ मानव संसाधन विकसित करने में एचएएल की प्रतिबद्धता ही उसके समर्पण का प्रमाण है। इन्हीं संसाधनों के साथ, एचएएल वैश्विक एरोस्पेस परिदृश्य में भारत को शिखर पर बनाए रखने को सुनिश्चित करते हुए अपने उद्योग को लेकर निरंतर ही अग्रणी स्थिति में है।



एचएएल प्रबंध अकादमी

एचएएल प्रबंध अकादमी (एचएमए), वर्ष 1969 में स्थापित हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड की ज्ञानार्जन एवं विकास (एल एंड डी) इकाई है। एचएमए ने एक प्रमुख कॉर्पोरेट प्रशिक्षण संस्थान के रूप में विगत वर्षों से अच्छी-खासी प्रतिष्ठा बनायी है, जो संगठनात्मक आवश्यकताओं एवं उद्देश्यों के अनुरूप सभी स्तरों पर सर्वांगीण ज्ञानार्जन एवं विकास के सुअवसर प्रदान करता है।

एरोस्पेस उद्योग में अपने योगदान को और अधिक बढ़ाने के लिए, एचएमए ने नए कार्यक्रमों की एक श्रृंखला शुरू की है, जिसमें अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा अनुमोदित पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रोग्राम, एरोस्पेस प्रबंधन में सर्टिफिकेशन प्रोग्राम एवं छात्रों तथा व्यावसायिकों के लिए एरोस्पेस संबंधी ऐच्छिक विषय शामिल हैं।

एरोस्पेस उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों, जैसे एरोस्पेस प्रबंधन, इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी में गहन जानकारी और कौशल विकास प्रदान करने की दृष्टि से इन कार्यक्रमों की डिज़ाइनिंग की गयी है। ऐसे प्रोग्राम के माध्यम से एचएमए न केवल अपने कर्मचारियों के कौशल और ज्ञान को बढ़ाने में उनकी मदद कर रहा है, बल्कि उद्योग के समग्र विकास और वृद्धि में भी अपना योगदान दे रहा है।



कार्यपालक हेतु विमानन प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन कार्यक्रम

भारतीय विमानन क्षेत्र में सैन्य और नागरिक दोनों ही में तेजी से विकास देखा जा रहा है। एरोस्पेस उद्योग में अपने व्यापक अनुभव के साथ एचएएल प्रबंध अकादमी कार्यपालक हेतु विमानन प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन कार्यक्रम प्रस्तावित करती है। इस कार्यक्रम की अवधि 24 सप्ताह रखी गयी है, जिसका उद्देश्य रक्षा अधिकारियों की प्रबंधकीय एवं तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाकर उन्हें उद्योग के अनुरूप तैयार करना है।

इस प्रोग्राम से तकनीकी, प्रबंधकीय, वाणिज्यिक और वित्तीय कौशल के साथ-साथ प्रोजेक्ट संबंधी सोच, गुणवत्ता सोच तथा निरंतर समस्या निवारण एवं निर्णय लेने की क्षमताओं में भी वृद्धि होगी। यह प्रोग्राम प्रतिभागियों को प्रबंधन अवधारणाओं और प्रौद्योगिकियों को सीखने के दौरान भावी नेतृत्वकर्ता के रूप में स्वयं को समझने और विकसित करने का अवसर भी प्रदान करेगा, जो कार्यात्मक और प्रबंधन क्षेत्रों में रणनीतियों को तैयार करने एवं लागू करने के लिए सुसंगत हैं। यह प्रोग्राम प्रबंधकों को संगठनात्मक एवं व्यवहारिक समर्थकों की गहरी समझ विकसित करते हुए किसी संगठन में अंतर-निर्भरता को समझने में भी मदद करेगा।



कार्यपालक हेतु विमानन प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन कार्यक्रम

यह प्रोग्राम विमानन प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन कौशल का एक विशिष्ट मिला-जुला प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जिसमें प्रतिभागियों को बदलते परिदृश्य में वैश्विक विमानन उद्योग की व्यापक समझ के अनुरूप तैयार किया जाता है। इस प्रोग्राम के माध्यम से, प्रतिभागियों को विमानन क्षेत्र के प्रबंधन के वरिष्ठतम अधिकारियों के साथ पारस्परिक चर्चा करने का सुअवसर मिलता है, जिससे उद्योग के क्षेत्र में वर्तमान तथा होनेवाले परिवर्तनों के बारे में विशिष्ट जानकारीयाँ प्राप्त होती हैं।

इस प्रोग्राम को विशेष रूप से रक्षा के क्षेत्र में कार्यरत उन अधिकारियों के लिए तैयार किया गया है, जो अपनी सेवाकाल के उपरांत भी अपने करियर के लिए नेतृत्व एवं प्रबंधकीय क्षमताओं को विकसित करना चाहते हैं। इस प्रोग्राम में भाग लेने से, विमानन उद्योग के क्षेत्र में जहाँ ये अधिकारी अपने ज्ञान एवं कौशल को बढ़ाने में सक्षम होंगे, वहीं वे नेतृत्व एवं प्रबंधन भूमिकाओं की चुनौतियों और जटिलताओं से निपटने के लिए तैयार भी हो सकेंगे।

सारांशतः, यह प्रोग्राम एक समग्र और गहन ज्ञानार्जन अनुभव प्रदान करता है, जो प्रतिभागियों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान के साथ-साथ विमानन उद्योग के क्षेत्र की आवश्यकताओं के लिए भी तैयार करता है। विमानन प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन पर केंद्रित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से, ये प्रतिभागी उद्योग के प्रति व्यापक समझ के साथ-साथ सही निर्णय लेने और अपनी भावी भूमिकाओं में सफल परिणाम प्राप्त करने में समर्थ होंगे।



कार्यक्रम की रूपरेखा

1. प्रबंधन फाउंडेशन मॉड्यूल
 - क) उत्पादन एवं प्रचालन प्रबंधन
 - ख) संगठन व्यवहार एवं मानव संसाधन प्रबंधन
 - ग) वित्त एवं अर्थशास्त्र
 - घ) व्यापार कानून एवं संविदाएँ
 - ङ) बी2बी मार्केटिंग की अनिवार्यताएं

2. विमानन प्रबंधन मॉड्यूल
 - क) उत्पाद जीवन चक्र प्रबंधन
 - ख) प्रौद्योगिकी पूर्वानुमान एवं प्रबंधन
 - ग) विमानन गुणवत्ता एवं विनियामक प्रबंधन
 - घ) विमानन आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
 - ङ) विमानन एमआरओ प्रबंधन
 - च) विमानन उद्योग में विश्वसनीयता और सिस्टम इंजीनियरिंग

3. एयरलाइन और हवाईअड्डा प्रबंधन मॉड्यूल
 - क) हवाई यातायात प्रबंधन
 - ख) एयर कार्गो एवं लॉजिस्टिक्स प्रबंधन
 - ग) हवाई अड्डा प्रबंधन
 - घ) एयरलाइन प्रचालन, टिकेटिंग एवं शेड्यूलिंग



कार्यक्रम की रूपरेखा

4. प्रयोगशाला के मॉड्यूल
 - क) एडवांस्ड एमएस एक्सेल
 - ख) एमएस प्रोजेक्ट
 - ग) सांख्यिकी एवं बिग डेटा विश्लेषण
 - घ) कारोबार संपर्क एवं प्रस्तुतीकरण कौशल
 - ङ) व्यक्तिगत प्रभावकारिता एवं पारस्परिक कौशल
 - च) परिवर्तनकारी नेतृत्व
 - छ) नवाचार एवं उद्यमिता
5. प्रवीणता प्रमाणन
 - क) विमानन परियोजना प्रबंधन प्रमाणन
 - ख) संविदा प्रबंधन प्रमाणन
 - ग) आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन प्रमाणन
 - घ) सिक्स सिग्मा प्रमाणन
 - ङ) नैगम शासन प्रमाणन
6. परियोजना कार्य एवं इंटरनशिप
 - क) निर्देशित परियोजना
 - ख) एचएएल प्रभागों में इंटरनशिप
 - ग) कैपस्टोन परियोजना
 - घ) पेपर प्रस्तुति
 - ङ) शोध रिपोर्ट



कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताएं

- भारतीय परिप्रेक्ष्य में तैयार किए गए केस स्टडीज़ के साथ एरोस्पेस एवं विमानन प्रबंधन का व्यापक कवरेज ।
- अनुभवी संकाय सदस्यों, प्रैक्टिसिंग प्रोफेशनल्स और उद्योग विशेषज्ञों के साथ गहन ज्ञानार्जन अनुभव ।
- विनिर्माण सुविधाओं, हैंगर, परीक्षण केंद्रों और डिज़ाइन स्थलों का औद्योगिक दौरा ।
- अतिरिक्त रोजगार केंद्रित कार्यक्रम प्रमाणपत्रों की श्रृंखला के साथ समर्थित पाठ्यक्रम, जैसे
 - परियोजना प्रबंधन सर्टिफिकेशन
 - संविदा प्रबंधन सर्टिफिकेशन
 - आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन सर्टिफिकेशन
 - नैगम शासन सर्टिफिकेशन
 - सिक्स सिग्मा सर्टिफिकेशन
- इस कार्यक्रम में दिए जाने वाले सर्टिफिकेशन विशेष रूप से प्रतिभागियों को विमानन उद्योग के विभिन्न पहलुओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करने की दृष्टि से तैयार किए गए हैं । इन सर्टिफिकेशन को पूरा करने पर, प्रतिभागियों को जहाँ एक ओर परियोजना प्रबंधन, संविदा प्रबंधन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में दक्षता हासिल होगी, वहीं दूसरी ओर वे गुणवत्ता सुधार और नैगम शासन की समझ से भी लाभान्वित होंगे ।





एचएमए परिसर

संपर्क विवरण

इस कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी कार्यक्रम निदेशक से प्राप्त की जा सकती है -

डॉ शिवप्रसाद सी जी
कार्यक्रम निदेशक
कार्यपालक हेतु विमानन प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन कार्यक्रम
एचएएल प्रबंध अकादमी
दोड्डनक्कुंदी मेन रोड
बेंगलूरु - 37

ई-मेल - shivaprasadcg@hal-india.co.in
फोन - 080 25400061